

बैगा आदवासी कलाकार जोधईया बाई का नधिन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रसिद्ध **बैगा आदवासी कलाकार** और **पद्मश्री** पुरस्कार से सम्मानित जोधईया बाई का लंबी बीमारी के बाद मध्य प्रदेश के उमरिया ज़िले में नधिन हो गया।

मुख्य बद्दि

- बैगा जनजातीय कला में योगदान:
- जोधईया बाई ने बैगा जनजातीय कला को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- कला के क्षेत्र में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान के लिये उन्हें वर्ष 2023 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- मुख्यमंत्री की ओर से संवेदना:
- मुख्यमंत्री ने उनके नधिन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश और देश ने एक ऐसी कलाकार खो दी है, जिसने अपना जीवन **आदवासी संस्कृति, कला और परंपराओं** को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिये समर्पित कर दिया।

बैगा जनजाति

- बैगा (जसिका अर्थ है जादूगर) **वशिष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTG) में से एक है।**
- वे मुख्य रूप से छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में रहते हैं।
- परंपरागत रूप से बैगा **अर्द्ध-खानाबदोश जीवन व्यती करते थे और कटाई-जलाकर खेती** करते थे। अब वे अपनी आजीविका के लिये मुख्य रूप से **लघु वनोपज** पर निर्भर हैं।
- **बाँस** प्राथमिक संसाधन है।
- **टैटू बनवाना बैगा संस्कृतिका एक अभिन्न हस्सिा है,** प्रत्येक आयु और शरीर के हस्सिे के लिये एक वशिष टैटू निर्धारित होता है।